

खाटू का नज़ारा | By Goldy Dhami

देख लिया जग मैंने सारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

जो भी इक वारि खाटू की नगरिया
मन में बसा गया यादों की गठरिया
फिर दिल लागे ना बेचारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

खाटू के कण कण में आप ही समाये हैं
जय श्री श्याम श्याम गूंजती दिशाएं हैं
बहती है भक्ति की धारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

कैसे करूँ वर्णन महिमा निराली को
नीले की सवारी को कमली वो काली को
झूलते निशान वो जैकारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

करे सतविंदर बयां वो लिखाई से
सोच की कलम और आंसू की स्याही से
गोल्डी धामी ने भी दिल हारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-goldy-dhami/>